



**WEST BENGAL STATE UNIVERSITY**  
B.A. Honours 6th Semester Examination, 2022

**SANACOR14T-SANSKRIT (CC14)**

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 50

*The figures in the margin indicate full marks.  
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.*

सर्वेषां प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च लेख्यम्

**SECTION-A**

1. अधोलिखितेषु पञ्च-प्रश्नाः समाधेयाः। 2×5 = 10
- (क) कर्मवाच्यप्रयोगे कर्मणि का विभक्तिः ? सोदाहरणं निर्दिशत।  
(ख) प्रातिपदिकार्थ इति किमुच्यते ? तत्र का विभक्तिः सोदाहरणं लिखत।  
(ग) रजकाय वस्त्रं ददाति – इत्यत्र कथं चतुर्थी ?  
(घ) शेष इत्यस्य कोऽर्थः ? उदाहरणयोगेन स्पष्टीक्रियताम्।  
(ङ) रमा पुष्पाणि चेतुं गच्छति –  
रेखाङ्कितपदस्य व्युत्पत्तिः निर्णया।  
(च) ण्यत्-प्रत्ययः कुत्र भवति ? ण्यत्-प्रत्ययविधायकं सूत्रं किम् ?  
(छ) निष्ठा इति किमुच्यते ? उदाहरणं दीयताम्।
2. अधोलिखितेषु पञ्चानां वाक्यानां वाच्यान्तरं क्रियताम्। 2×5 = 10
- (क) बालकाः हसन्ति।  
(ख) माधवः वृक्षं पश्यतु।  
(ग) मया रामायणं पद्यते।  
(घ) व्याघ्राद् बिभेति बालकः।  
(ङ) छात्रः पुस्तकानि पठितवान्।  
(च) हरिः चन्द्रमपश्यत्।  
(छ) तेन प्रश्नः पृष्ठः।

## SECTION-B

3. संस्कृतभाषायाम् अनुवादः कार्यः ।

15

স্বামী বিবেকানন্দ হিমালয়ে ভ্রমণ করছিলেন। সে সময় পাহাড়ের খাড়া ঢালের নিচে এক বৃদ্ধকে অসহায়ভাবে দাঁড়িয়ে থাকতে দেখলেন। চরম হতাশায় লোকটি বলল, ‘মহাশয়! কিভাবে এই পথ পার হব ? আমি যে আর চলতে পারছি না’! স্বামীজী শান্তভাবে বললেন, ‘আপনার পায়ের দিকে দেখুন। যে পথ আপনার পায়ের নিচে, সেই পথ আপনি পার হয়ে এসেছেন। সেই একই পথ আপনার সামনে। অচিরে এই পথও আপনার পদতলে হবে’।

Swami Vivekananda was having a trek in the Himalayas when he found an old man standing hopelessly at the foot of an upward slope. The man said in utter frustration, ‘Oh Sir! How to cross it; I cannot walk anymore’. Swamiji said patiently, ‘Look down at your feet. The road that is under your feet is the road that you have passed over and is the same road that you see before you. It will soon be under your feet’.

OR

একদা এক রমণী বুদ্ধদেবের নিকটে এসেছিলেন। তার একমাত্র সন্তানের মৃত্যু হয়েছিল। সেই রমণী তার মৃতসন্তানের জীবন ভিক্ষা করেছিলেন। ভগবান বুদ্ধ শোকহীন কোন গৃহ থেকে সরিষাবীজ সংগ্রহের অনুরোধ করেন। তিনি রিঙ্কহস্তে প্রত্যাবর্তন করেন। তখন তাকে ভগবান অমর্ত্যবাণী প্রদান করেন।

Once a woman came to Budhadeva. Her only child was dead. The woman prayed for her child’s life. Lord Budha requested her to bring mustard seeds from any house which is not stricken by sorrow. She returned with empty hands. Than Lord Budha gave her immortal advice.

## SECTION-C

4. अधोलिखितेषु विषयेषु यथेच्छमेकमवलम्ब्य संस्कृतभाषया प्रबन्धः लेखः ।

15

(क) महामानवचरितम्

(ख) देशभ्रमणम् – चरित्रगठनाय अस्य उपयोगिता

(ग) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य

**N.B. :** Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.

—x—